Research of Dr. Suraj Arya, Assistant Professor CUH gets patent

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Aaj Samaj **Date: 17-04-2024**

हकेवि के शिक्षक के शोध को मिला पेटेंट

आज समाज नेटवर्क

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के कंप्यूटर साइंस एवं सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के सहायक आचार्य डॉ. सूरज आर्य को ह्यअल्ट्रासोनिक सेंसर आधारित चार-पहिया स्वचालित संकेतक बिंलकिंग सिस्टमह्य प्रणाली विकसित करने के लिए भारत सरकार द्वारा पेटेंट प्रदान किया गया है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने पेटेंट मिलने पर डॉ. सूरज आर्य को बधाई दी।

इस प्रणाली के विषय में डॉ. सूरज आर्य ने बताया कि उनके द्वारा यह पेटेंट तीन वर्ष पूर्व अप्लाई किया गया था। इस तकनीक की मदद से ड्राइविंग के दौरान ड्राइवर अधिक एकाग्रता से कार्य कर पाएगा व अपना पूरा ध्यान ड्राइविंग पर ही केंद्रित कर सकेगा। इस तकनीक के प्रयोग से सड़क दुर्घटनाओं में कमी आयेगी। इस प्रणाली को विकसित करने के लिए आर्डिनों हार्डवेयर तकनीक का प्रयोग किया गया है। यह प्रणाली अल्ट्रासोनिक सेंसर से लैस है। यहां एक स्वचालित प्रणाली है इस सिस्टम

का लाभ उसे स्थिति में वाहन चालक को मिलेगा जब वह गाड़ी को टर्न करना चाह रहा है। इस संबंध में वर्तमान प्रणाली अथवा सिस्टम के अपेक्षा यह प्रणाली कम संसाधनों का प्रयोग करके बनाई गई है व अधिक उपयोगी है। इस शोध कार्य के लिए विभागाध्यक्ष डॉ. केशव सिंह रावत व प्रोफेसर सिंगारा सिंह ने डॉ. सूरज आर्य को बधाई दी।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Amar Ujala **Date: 17-04-2024**

शोध हकेंवि कंप्यूटर साइंस एवं सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के सहायक आचार्य डॉ. सूरज के अल्ट्रासोनिक सेंसर को मिला पेटेंट

इंडिकेटर सेंसर से चलेंगे... आप आराम से कार मोड़िए

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। कार चलाते समय यदि आप इंडिकेटर चलाना भूल भी जाएं तो भी सेंसर के जरिए यह अपने आप चलेंगे। इससे बिना हादसा सफर और सुहाना होगा। यही नहीं अचानक मोड़ पर होने वाली सड़क दुर्घटना में भी कमी आएगी। यह प्रणाली हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ के कंप्यूटर साइंस एवं सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के सहायक आचार्य डॉ. सूरज आर्य ने तैयार की है और इसका पेटेंट भी मिल चुका है।

डॉ. सूरज आर्य ने बताया कि यह कंपोनेंट आर्डिनो बोर्ड एलईडी कम से कम खर्च में बेहतर तकनीक उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। यह प्रणाली वाहन के टायर की स्थिति के हिसाब से इंडिकेटर को ऑन करेगी। वाहनों के नीचे के हिस्से में स्थापित किए जाने वाले अल्ट्रासोनिक सेंसर बेस्ड फेरव्हीलर ऑटोमेटिड इंटिकेटर ब्लिंकिंग सिस्टम की मदद से टायर के मूवमेंट के आधार पर इंडिकेटर स्वतः ऑन होंगे। कंपोनेंट आर्डियो बोर्ड एलईडी कम से कम खर्च में सुरक्षित वाहन संचालन तकनीक में अपनी भूमिका निभाएगा। कार चालक जब कई बार टर्न करता है तो इंडिकेटर नहीं दे पाता, इससे दुर्घटना की संभावना अधिक बढ़ जाती है। इस कंपोनेंट में लगे सेंसर टायर के मूवमेंट के हिसाब से ऑटोमेटिक इंडिकेटर को ऑन करेंगे। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि यह तकनीक पूरी तरह स्वदेशी है। सड़क सुरक्षा विशेषज्ञों के अनुसार, करीब 40 प्रतिशत तक दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने में यह तकनीक कारगर साबित हो सकती है।

हकेंवि में डॉ. सूरज आर्य को सम्मानित करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार। संवाद

अल्ट्रासोनिक सेंसर आधारित चार-पहिया स्वचालित संकेतक बिंलकिंग सिस्टम प्रणाली विकसित

वाहन चलाते समय चालक कर सकेगा ध्यान केंद्रीत, दुर्घटनाओं में आएगी कमी

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Bhaskar **Date: 17-04-2024**

हकेंवि के शिक्षक के शोध को मिला पेटेंट

महेंद्रगढ़ | हकेंवि महेंद्रगढ़ के कंप्यूटर साइंस एवं सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के सहायक आचार्य डॉ. सूरज आर्य को 'अल्ट्रासोनिक सेंसर आधारित चार-पहिया स्वचालित संकेतक बिलकिंग सिस्टम' प्रणाली विकसित करने के लिए भारत सरकार द्वारा पेटेंट प्रदान किया गया है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने पेटेंट मिलने पर डॉ. सूरज आर्य को बधाई दी। डॉ. सूरज आर्य ने बताया कि उनके द्वारा यह पेटेंट तीन वर्ष पूर्व अप्लाई किया गया था। इस तकनीक की मदद से ड्राइविंग के दौरान ड्राइवर अधिक एकाग्रता से कार्य कर पाएगा व अपना पूरा ध्यान ड्राइविंग पर ही केंद्रित कर सकेगा। इस तकनीक के प्रयोग से सड़क दुर्घटनाओं में कमी आएगी। इस प्रणाली को विकसित करने के लिए आर्डिनों हार्डवेयर तकनीक का प्रयोग किया गया है। यह प्रणाली अल्ट्रासोनिक सेंसर से लैस है। इस शोध कार्य के लिए विभागाध्यक्ष डॉ. केशव सिंह रावत व प्रोफेसर सिंगारा सिंह ने डॉ. सूरज आर्य को बधाई दी।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Haribhoomi **Date: 17-04-2024**

महेंद्रगढ़। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार से मुलाकात करते डॉ. सूरज आर्य।

हकेंवि के शिक्षक के शोध को मिला पेटेंट

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कंप्यूटर साइंस एवं सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के सहायक आचार्य डॉ. सूरज आर्य को अल्ट्रासोनिक सेंसर आधारित चार-पहिया स्वचालित संकेतक ब्लिंकिंग सिस्टम प्रणाली विकसित करने के लिए भारत सरकार द्वारा पेटेंट प्रदान किया गया है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने पेटेंट मिलने पर डॉ. सूरज आर्य को बधाई दी।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: India News Calling **Date: 17-04-2024**

Research of CUH Faculty member gets patent

April 16, 2024 06:54 PM

MAHENDERGARH, 16.04.24-Dr. Suraj Arya, Assistant Professor, Department of Computer Science and Information Technology, Central University of Haryana (CUH), Mahendragarh, has been granted a patent by the Government of India for developing 'Ultrasonic Sensor Based Four-Wheel Automatic Indicator Blinking System'. Prof. Tankeshwar Kumar, Vice Chancellor of the University congratulated Dr. Suraj Arya on getting the patent.

Dr. Suraj Arya told that use of this technology will reduce road accidents. Arduino hardware technology has been used to develop this system. This system is equipped with ultrasonic sensors. There is an automatic system here, the benefit of this system will be available to the driver in the situation when he wants to turn the vehicle. In this regard, this system has been built using less resources and is more useful as compared to the current system.

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Navoday Times **Date: 17-04-2024**

हकेवि के शिक्षक के शोध को मिला पेटेंट

महेंद्रगढ़, 16 अप्रैल (परमजीत, मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के कंप्यूटर साइंस एवं सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के सहायक आचार्य डॉ. सूरज आर्य को 'अल्ट्रासोनिक सेंसर आधारित चार-पहिया स्वचालित संकेतक बिं्लकिंग सिस्टम' प्रणाली विकसित करने के लिए भारत सरकार द्वारा पेटेंट प्रदान किया गया है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने पेटेंट मिलने पर डॉ. सूरज आर्य को बधाई दी।

इस प्रणाली के विषय में डॉ. सूरज आर्य ने बताया कि उनके द्वारा यह पेटेंट तीन वर्ष पूर्व अप्लाई किया गया था। इस तकनीक की मदद से ड्राइविंग के दौरान ड्राइवर अधिक एकाग्रता से कार्य कर पाएगा व अपना पूरा ध्यान ड्राइविंग पर ही केंद्रित कर सकेगा। इस तकनीक के प्रयोग से सड़क दुर्घटनाओं में कमी आयेगी। इस प्रणाली को विकसित करने के लिए आर्डिनों हार्डवेयर तकनीक का प्रयोग किया गया है। यह प्रणाली अल्ट्रासोनिक सेंसर से लैस है। यहाँ एक स्वचालित प्रणाली है इस सिस्टम का लाभ उसे स्थिति में वाहन चालक को मिलेगा जब वह गाड़ी को टर्न करना चाह रहा है। इस शोध कार्य के लिए विभागाध्यक्ष डॉ. केशव सिंह रावत व प्रो. सिंगारा सिंह ने डॉ. सूरज आर्य को बधाई दी।

नवोदय टाइम्स Wed, 17 April 2024
https://epaper.navodayatimes.in/c/74921851